

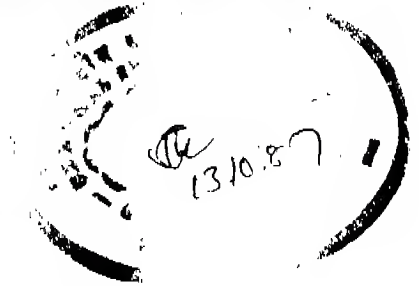


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 445]
No. 445]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 2, 1987/भाद्र 11, 1909
NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 2, 1987/BHADRA 11, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 1987

अधिसूचनाएं

सा. का. नि. 741(अ):—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1987 (1987 का 11) की धारा 98 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, 15 अक्टूबर, 1987 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम का अध्याय 5 प्रवृत्त होगा।

[फा. सं. 1(10)/ई.सी./87]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 2nd September, 1987

NOTIFICATIONS

G.S.R. 741(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 98 of the Finance Act, 1987 (11 of 1987), Central Government hereby appoints the 15th day of October, 1987, as the date

on which Chapter V of the said Act shall come into force.

[F. No. 1/10/EC/87]

सा. का. नि. 742(अ):—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1987 (1987 का 11) की धारा 101 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि विदेशी यात्रा के प्रयोजनों को ध्यान में होने हुए, ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है, निम्नलिखित प्रवर्गों की विदेश यात्रा के लिए विदेशी मुद्रा के किसी निर्माण पर, उक्त अधिनियम के अध्याय 5 के अधीन उद्ग्रहणीय विदेशी मुद्रा संरक्षण (यात्रा) कर के सम्पूर्ण संदाय से छूट देती है, अर्थात्:—

- (1) चिकित्सीय उपचार के लिए (जिसके अन्तर्गत, जहाँ भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ऐसा प्राधिकृत किया गया हो, रोगी का परिवार भी है);
- (2) अध्ययन के लिए;
- (3) हज और जियारात तीर्थ यात्रा के लिए;
- (4) पाकिस्तान और बंगलादेश में सिक्ख पवित्र स्थलों की यात्रा के लिए; और
- (5) कलाश मानसरोवर की यात्रा के लिए।

[फा. सं. 1(10)/ई.सी./87]

G.S.R. 742(E).—In exercise of the powers conferred by section 101 of the Finance Act, 1987 (11 of 1987), the Central Government, being satisfied that it is necessary and expedient so to do having regard to the purposes of foreign travel, hereby exempts from the payment of the whole of the Foreign Exchange Conservation (Travel) Tax, leviable under Chapter V of the said Act on any release of foreign exchange for the following categories of foreign travel, namely :—

- (i) for medical treatment (including attendant of a patient where so authorised by the Reserve Bank of India);
- (ii) for studies;
- (iii) for Haj and Ziarat pilgrimage;
- (iv) for visit to Sikh Shrines in Pakistan and Bangladesh;
- (v) for visit to Kailash Mansarovar;

[F. No. 1/10/EC/87]

विदेशी मुद्रा संरक्षण (यात्रा) कर नियम, 1987

सा. का. नि. 743(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1987 (1987 का 11) की धारा 104 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विदेशी मुद्रा संरक्षण (यात्रा) कर नियम, 1987 है।

(2) ये 15 अक्टूबर, 1987 को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ: इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से वित्त अधिनियम, 1987 (1987 का 11) अभिप्रेत है;

(ख) “अपील अधिकारी” से वह नियंत्रक अभिप्रेत है जो तत्समय रिजर्व बैंक के मुद्रा नियंत्रण विभाग में नियंत्रक का पद धारण किए हुए है और इन नियमों के अधीन उसके द्वारा प्रयोज्य किन्हीं शक्तियों के संबंध में इसके अन्तर्गत उस विभाग का अपर नियंत्रक भी है;

(ग) “न्यायनिर्णयन अधिकारी” से यथास्थिति, संयुक्त नियंत्रक, उप नियंत्रक, सहायक नियंत्रक या रिजर्व बैंक के मुद्रा नियंत्रण विभाग के या उस विभाग के मुद्रा नियंत्रण सेल के किसी प्रादेशिक कार्यालय का तत्समय कोई भारसाधक अधिकारी अभिप्रेत है;

(घ) “कर” से अधिनियम की धारा 100 के अधीन उद्घृष्टीय विदेशी मुद्रा संरक्षण (यात्रा) कर अभिप्रेत है;

(ङ) “यात्री” से कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे विदेश यात्रा के लिए विदेशी मुद्रा निर्मुक्त की गई है या की जानी है।

(च) “खजाना” से रिजर्व बैंक/या भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) की धारा 3 के अधीन गठित भारतीय स्टेट बैंक की कोई शाखा या भारतीय स्टेट बैंक (समन्वयनी बैंक) अधिनियम, 1959 (1959 का 38) के अधीन गठित कोई समन्वयनी बैंक जिसमें केन्द्रीय सरकार का कर के प्रेषण के लिए कोई खाता है, अभिप्रेत है;

(छ) उन शब्दों और पदों के लिए जिनका प्रयोग किया गया है किन्तु ज. इन नियमों या अधिनियम के अध्याय 5 में परिभाषित नहीं है, वही अर्थ होगा जो उनका विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) में है।

3. कर का संग्रहण—कोई भी प्राधिकृत व्योहारी या मुद्रा परिवर्तक अपने द्वारा निर्मुक्त सभी विदेशी मुद्रा की वास्तव यात्री से निर्मुक्त विदेशी मुद्रा की रकम के समतुल्य रूप की पन्द्रह प्रतिशत की दर पर कर संग्रह करेगा और इन नियमों से उपावृत्त प्रत्येक 1 में उसको एक प्रमाणपत्र जारी करेगा।

4. कर का वापस खजाने में किया जाएगा—किसी प्राधिकृत व्योहारी या मुद्रा परिवर्तक द्वारा संग्रहण किया गया कर उसके द्वारा रखे गए पृथक खाते में रखा जाएगा और उक्त कर की रकम, नियम 5 के अधीन प्रतिवर्तन रकम की कटौती करके प्रत्येक कलेंडर मास की 1 तारीख और 15 तारीख तक, और यदि पूर्वोक्त दोनों दिन अवकाश दिन हों तो ठीक आगामी कार्य दिवस को लेखा शीर्ष सं. 0045—अन्य कर और शुल्क तथा वस्तु और सेवा विदेशी मुद्रा परावर्ण (यात्रा) कर में खजाने में संदत्त की जाएगी।

5. कर के प्रतिदाय का दावा करने के लिए प्रक्रिया:—(1) कोई यात्री जो उस अप्रयुक्त विदेशी मुद्रा के जिसकी वास्तव कर का संग्रह किया जा चुका है, सम्पूर्ण या उसके भाग को पुनः विदेश भरना चाहता है, उस विदेशी यात्रा में, जिसके लिए विदेशी मुद्रा निर्मुक्त की गई थी, वापसी की तारीख से एक मास की अवधि के भीतर या जहाँ कुछ कारणों से ऐसी कोई विदेश यात्रा नहीं की गई थी, विदेशी मुद्रा की निर्मुक्ति की तारीख से एक मास के भीतर यथास्थिति, प्राधिकृत व्योहारी या मुद्रा परिवर्तक को नियम 3 के अधीन जारी किए गए प्रमाणपत्र के साथ उसे (मुद्रा) प्रस्तुत करेगा और परिणामस्वरूप यथास्थिति, प्राधिकृत व्योहारी या मुद्रा परिवर्तक प्रमाणपत्र में पृष्ठांकन करने के पश्चात् संग्रहण किए गए कर की, यथास्थिति, सम्पूर्ण रकम या आनुपातिक रकम का विदेशी मुद्रा के समतुल्य रूप के साथ, प्रतिदाय करेगा।

(2) जहाँ प्राधिकृत व्योहारी या मुद्रा परिवर्तक का, उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर यात्री द्वारा किए गए लिखित रूप में आवेदन पर, यह समाधान हो जाता है कि कर गलती से संग्रहण किया गया था या कर की अधिक रकम संग्रहण की गई थी, वहाँ वह नियम 3 के अधीन जारी किए गए प्रमाणपत्र में पृष्ठांकन करने के पश्चात् यथास्थिति इस प्रकार संग्रहण की गई कर की सम्पूर्ण रकम या इस प्रकार संग्रहण की गई अधिक रकम का प्रतिदाय करेगा;

परन्तु जहाँ प्राधिकृत व्योहारी या मुद्रा परिवर्तक और यात्री के बीच मतभेद है, वहाँ यथास्थिति, प्राधिकृत व्योहारी या मुद्रा परिवर्तक उसे न्यायनिर्णयन प्राधिकारी को निदिष्ट करेगा जिसकी अधिकारिता में प्राधिकृत व्योहारी या मुद्रा परिवर्तक का कार्यालय स्थित है और उस पर न्यायनिर्णयन अधिकारी का आदेश दोनों पक्षकारों पर आबद्ध करेगा।

6. असंदत्त या न्यून संदत्त कर के संदाय के लिए सूचना (1) जहां किसी शोध कर का किसी भी कारण से संदाय या उसका संग्रहण नहीं किया गया है या उसका पूर्णतः संदाय या संग्रहण नहीं किया गया है या प्राधिकृत व्यौहारी या मुद्रा परिवर्तक द्वारा संग्रहण किया गया है किन्तु नियम 4 में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर खजाने में पूर्णतः जमा नहीं किया गया है वहां न्यायनिर्णयन अधिकारी, शास्ति के उद्ग्रहण के बारे में नियम 8 के उपबन्धों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना यथास्थिति, यात्री, प्राधिकृत व्यौहारी या मुद्रा परिवर्तक या उन सभी पर, उससे या उनसे यह कारण बताने की अपेक्षा करते हुए उसे या उन्हें सूचना में विनिर्दिष्ट रकम का संदाय क्यों नहीं करना चाहिए, सूचना की तामील कर सकेगा :

परन्तु इस उपनियम के अधीन किसी सूचना की तामील विदेशो मुद्रा को निर्मुक्ति की तारीख से तीन वर्ष को समाप्ति के पचाशत् नहीं की जाएगी।

(2) न्यायनिर्णयन अधिकारी, यथास्थिति, उस यात्री, प्राधिकृत व्यौहारी या मुद्रा परिवर्तक द्वारा, जिस पर सूचना की तामील की गई है किए गए अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् उसके द्वारा संदाय किए जाने वाले कर की रकम का अवधारण करेगा जो सूचना में विनिर्दिष्ट रकम अधिक नहीं होगी और ऐसा होने पर यथास्थिति यात्री प्राधिकृत व्यौहारी या मुद्रा परिवर्तक इस प्रकार अवधारित रकम का संदाय खजाने में करेगा।

7. संग्रहण या उद्ग्रहण किए गए कर के संबंध में विवरणी का प्रस्तुत किया जाना प्रत्येक प्राधिकृत व्यौहारी या मुद्रा परिवर्तक, जिसने नियम 3 के अधीन कर संग्रहण किया है या नियम 5 के अधीन संपूर्ण कर या उसका भाग प्रतिसंदत्त किया है, भारतीय रिजर्व बैंक के उस प्रादेशिक कार्यालय के सार साधक अधिकारी को इन नियमों से उगावद्ध प्रका 2 में त्रैमासिक विवरणी प्रस्तुत करेगा, जिसकी अधिकारिता में प्राधिकृत व्यौहारी या मुद्रा परिवर्तक का कार्यालय स्थित है।

8. शास्तियों का न्याय निर्णयन ऐसे प्रत्येक मामले में, जिसमें कोई व्यक्ति अधिनियम की धारा 102 के अधीन शास्ति के लिए दायी है, ऐसी शास्ति न्यायनिर्णयन अधिकारी द्वारा न्यायनिर्णयन की जाएगी।

9. शास्ति के उद्ग्रहण के पूर्व कारण बताने की सूचना जारी करना किसी व्यक्ति पर कोई शास्ति अधिरोपित करने वाला कोई भी आदेश तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसे व्यक्ति को—

(क) वे आधार, जिन पर शास्ति अधिरोपित करने का प्रस्ताव है, उसको सूचित करते हुए, लिखित रूप में सूचना नहीं दी जाती है ;

(ख) पन्द्रह दिन या ऐसी और अवधि के भीतर, जिसमें न्यायनिर्णयन अधिकारी अपने विवेकानुसार अनुदत्त कर उसमें उल्लिखित शास्ति अधिरोपित करने के विरुद्ध मौखिक या लिखित रूप में अभ्यावेदन करने का अवसर नहीं दिया जाता है ;

(ग) मामले में सुने जाने का युक्तियुक्त अवसर प्रदान नहीं किया जाता है।

10. अपील—(1) न्यायनिर्णयन अधिकारी द्वारा अधिनियम या इन नियमों के अधीन किए गए किसी विनिश्चय या आदेश से व्यक्ति कोई व्यक्ति ऐसे विनिश्चय या आदेश के संसूचित किए जाने की तारीख से तीन

मास के भीतर ऐसे विनिश्चय या आदेश के विरुद्ध अपील प्रविहारी को अपील कर सकेगा ;

परन्तु अपील अधिकारी, यदि उसका यह समझाने में सफल हो कि ऐसा व्यक्ति पर्याप्त कारण से तीन मास की पूर्वोक्त प्राप्ति के भीतर अपील प्रस्तुत करने से निवारित किया गया था तो तीन मास की प्रतिरिक्त अवधि के भीतर इसे प्रस्तुत करना अनुज्ञात कर सकेगा।

(2) अपील अधिकारी, अपीलार्थी को सुने जाने का, यदि वह ऐसी वांछ करता है, अवसर देने के पश्चात् और ऐसी जांच करने के पश्चात् जो आवश्यक हो विनिश्चय या आदेश के विरुद्ध की गई राय को पक्ष, उपान्तरित या वातित्र करने वाला ऐसा आदेश पारित कर सकेगा, जो वह ठीक समझता है।

परन्तु अपील अधिकारी द्वारा शास्ति में वृद्धि करने वाला कोई आदेश पारित नहीं किया जाएगा :

परन्तु यह और कि जहां अपील अधिकारी की यह राय है कि कर का संदाय नहीं किया गया है या उसका पूर्णतः संदाय नहीं किया गया है, वहां ऐसे कर के संदाय के लिए निदेश देने वाला कोई आदेश तब तक पारित नहीं किया जाएगा जब तक कि अपीलार्थी को प्रस्तावित आदेश के विरुद्ध उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर कारण बताने के लिए सूचना नहीं दी जाती है।

(3) अपील अधिकारी अपील का अन्तिम रूप से विनिश्चय करने के पश्चात् अपने विनिश्चय की एक प्रति संबंधित व्यक्तियों को और उस न्यायनिर्णयन अधिकारी को भी, जिसके आदेश के विरुद्ध प्रारित की गई थी नियम 11 के अनुसार निष्पादन के लिए भेजेगा।

11. सरकार को शोध राशियों की वृद्धि—जहां अधिनियम के अध्याय 5 के अधीन किसी व्यक्ति ने मांग किया गया कर या किसी व्यक्ति द्वारा देय कोई शास्ति अंतिम रूप से अवधारित की गई है किन्तु उसका संदाय नहीं किया जाता है, वहां न्यायनिर्णयन अधिकारी शोध रकम विनिर्दिष्ट करते हुए राशि द्वारा उद्ग्रहित रकम प्रतापन कर कर सकेगा और उसे उस निम्ने के कलेक्टर को वेवगा, जिसमें उक्त व्यक्ति की संपत्ति है या सामान्यतः निवास करता है या कारबार करता है और कलेक्टर ऐसे प्रतापन की प्राप्ति पर उसके पक्षोपेक्ष विनिर्दिष्ट रकम उक्त व्यक्ति से वसूल करने के लिए इस प्रकार प्रवृत्त होगा तब वह भूत-राजस्व का बकाया हो।

12. विनिर्दिष्टां और जानकारों एकत्र करने की शक्ति :—अपील या न्यायनिर्णयन अधिकारी विशेष या साधारण आदेश द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत रिजर्व बैंक के मुद्रा नियंत्रण विभाग के प्रत्येक अधिकारी को यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि क्या अधिनियम या इन नियमों की अपेक्षाओं का अनुपालन किया गया है या नहीं, प्राधिकृत व्यौहारी या मुद्रा परिवर्तक के किसी भी परिसर में किसी भी युक्तियुक्त समय पर पहुंच होगी और उससे उसके सारसाधक किसी भी व्यक्ति से किन्हीं लेखा बहियों विवरणियों या अन्य दस्तावेजों को उसके सत्यापन के लिए उसके समक्ष प्रस्तुत करने के लिए और उसे ऐसी अन्य जानकारी और विनिर्दिष्टां प्रस्तुत करने के लिए जो वह यह अभिनिश्चय करने के युक्तियुक्त रूप में अपेक्षा करे कि क्या अधिनियम का इन नियमों की अपेक्षाओं का अनुपालन किया गया है, मांग करने की शक्ति होगी।

[फा. सं. 1 (10)/ई. सी./87]

जे. एल. बजाज, संयुक्त सचिव

प्ररूप 1

(नियम 3 देखिए)

(दो प्रतियों में)

कर प्रमाणपत्र

1. यात्री का पूरा नाम और पता—
2. पार पत्र सं.—
3. यात्रा करने के लिए प्रस्तावित देश—
4. निर्मुक्त विदेशी मुद्रा की रकम—
5. विनिमय की दर—
6. निर्मुक्त विदेशी मुद्रा के समतुल्य रुपए—
7. यात्रा की प्रस्तावित तारीख—
9. संदत्त कर की रकम—

प्राधिकृत व्योहारी/मुद्रा परिवर्तक के हस्ताक्षर
मुद्रा/मोहर

स्थान

तारीख

प्ररूप 2

(नियम 7 देखिए)

विदेशी मुद्रा संरक्षण (यात्रा कर नियम, 1987 के नियम 7 के निबन्धनों के अनुसार फाईल की जाने वाली त्रैमासिक विवरणी

प्राधिकृत व्योहारी मुद्रा परिवर्तक का नाम और पता ————— का समाप्त होने वाली अवधि के लिए त्रैमासिक विवरणी

संव्यवहार की तारीख	यात्री का नाम और पता	निर्मुक्त विदेशी मुद्रा के समतुल्य र.	संग्रहण किए गए कर की रकम	सरकारी लेखा में संशय की विशिष्टियां बैंक खजाने का नाम	वालान सं. और संदत्त रकम तारीख	नियम 5 के अधीन प्रतिसंदत्त रकम, यदि कोई हो (प्रति संशय की तारीख)
1	2	3	4	5	6	

योग

योग

प्राधिकृत व्योहारी/मुद्रा परिवर्तक के
हस्ताक्षर

टिप्पण सं. 1:- यदि किसी ऐसी तिमाही के दौरान जिससे विवरणी संबंधित है, कोई संव्यवहार नहीं हुए हैं, तो "कुछ नहीं" विवरणी प्रस्तुत की जानी चाहिए।

2. विवरणियां रिजर्व बैंक के प्रादेशिक कार्यालय के उस भारसाधक अधिकारी को प्रस्तुत की जानी चाहिए, जिसकी अधिकारिता के भीतर प्राधिकृत व्योहारी या मुद्रा परिवर्तक का कार्यालय स्थित है।

The Foreign Exchange Conservation (Travel) Tax Rules, 1987.

G.S.R. 743(E).—In exercise of the powers conferred by section 104 of the Finance Act, 1987 (11 of 1987), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Foreign Exchange Conservation (Travel) Tax Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the 15th day of October, 1987.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Finance Act, 1987 (11 of 1987);

(b) "Appellate Officer" means the Controller who for the time being holds the office of Controller in the Exchange Control Department of the Reserve Bank and in relation to any powers exercisable by him under these rules includes an Additional Controller in that Department;

(c) "Adjudicating Officer" means a Joint Controller, a Deputy Controller, an Assistant Controller or any officer holding for the time being the charge of a Regional Office of the Exchange Control Department of the Reserve Bank or, as the case may be, the Exchange Control Cell of that Department;

(d) "tax" means Foreign Exchange Conservation (Travel) Tax leviable under section 100 of the Act;

(e) "traveller" means any person to whom foreign exchange has been or is to be released for foreign travel;

(f) "Treasury" means the Reserve Bank or any branch of the State Bank of India constituted under section 3 of the State Bank of India Act, 1953 (23 of 1955) or a subsidiary bank constituted under the State Bank of India (Subsidiary Bank) Act, 1959 (38 of 1959), wherein the Central Government has an account for remittance of tax;

(g) words and expressions used but not defined in these rules or in Chapter V of the Act shall have the meanings assigned to them in the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973).

3. Collection of tax.—An authorised dealer or a money changer shall collect from a traveller in respect of all foreign exchange released by him a tax at the rate of fifteen per cent of the rupee equivalent of the amount of foreign exchange released and issue a certificate to him in Form I annexed to these rules.

4. Tax to be paid into the Treasury.—The tax collected by an authorised dealer or a money changer shall be held in a separate account maintained by

him and the amount of said tax as reduced by the amount refunded under rule 5, shall be paid into the Treasury into the Head of Account No. 0045—Other taxes and Duties and Commodities and Services—Foreign Exchange Conservation (Travel) Tax by the 1st and the 15th of each calendar month and if either of the aforesaid days happens to be holidays, then immediately on the following working day.

5. Procedure for claiming refund of tax.—(1) A traveller who intends to sell back the whole or part of unused foreign exchange in respect of which tax had been collected, shall, within a period of one month from the date of return from the foreign travel, for which foreign exchange was released or where due to certain reasons, no such foreign travel was performed, within one month from the date of release of foreign exchange, present the same to the authorised dealer or, as the case may be, the money changer, alongwith the certificate issued under rule 3 and thereupon the authorised dealer or the money changer, as the case may be, after making an endorsement in the certificate, shall refund the entire amount or, as the case may be, the proportionate amount of the tax collected, alongwith the rupee equivalent of the foreign exchange.

(2) Where an authorised dealer or a money changer is satisfied, on an application in writing made by a traveller within the period specified in sub-rule (1), that the tax had been wrongly collected or an excess amount of tax had been collected, he shall, after making an endorsement in the certificate issued under rule 3 refund the entire amount of tax so collected or, as the case may be, the excess amount so collected:

Provided that where there is disagreement between the authorised dealer or the money changer and a traveller, the authorised dealer or, as the case may be, the money changer shall refer the same to the Adjudicating Officer under whose jurisdiction the office of the authorised dealer or the money changer is situated and the orders of the Adjudicating Officer thereon shall be binding on both the parties.

6. Notice for payment of tax not paid or under paid.—(1) Where any tax due has, for any reason whatsoever, not been paid or collected or has not been paid or collected in full or collected by an authorised dealer or a money changer but not deposited in full into the Treasury within the period specified in rule 4, the Adjudicating Officer may, without prejudice to the provisions of rule 8 regarding levy of penalty, serve a notice upon the traveller, the authorised dealer or, as the case may be, the money changer or all of them, requiring him or them to show cause why he or they should not pay the amount specified in the notice:

Provided that no notice under this sub-rule shall be served after the expiry of three years from the date of release of the foreign exchange.

(2) The Adjudicating Officer, after considering the representation, if any, made by the traveller, authorised dealer, or the money changer, as the case may be, on whom notice is served, shall determine the amount of tax to be paid by him, not being in excess of the amount specified in the notice and thereupon the traveller, the authorised dealer or the

money changer, as the case may be, shall pay the amount so determined to the Treasury.

7. Furnishing of return regarding tax collected or refunded.—Every authorised dealer or money changer, who has collected tax under rule 3 or refunded the whole or part of the tax under rule 5, shall submit a quarterly return in Form II annexed to these rules to the Officer-in-Charge of the regional office of the Reserve Bank within whose jurisdiction the office of the authorised dealer or the money changer is situated.

8. Adjudication of penalties.—In every case in which any person is liable to penalty under section 102 of the Act, such penalty shall be adjudged by an Adjudicating Officer.

9. Issue of show-cause notice before levy of penalty.—No order imposing any penalty on any person shall be made unless such persons—

- (a) is given a notice in writing informing him of the grounds on which it is proposed to impose a penalty;
- (b) is given an opportunity of making representation either orally or in writing within fifteen days or such further period as the Adjudicating Officer at his discretion may grant, as against the imposition of penalty mentioned therein;
- (c) is given a reasonable opportunity of being heard in the matter.

10. Appeal.—(1) Any person aggrieved by any decision or order passed under the Act or these rules by the Adjudicating Officer, may within three months from the date of communication of such decision or order, appeal to the Appellate Officer against such decision or order :

Provided that the Appellate Officer may, if satisfied that such person was prevented by sufficient cause from presenting the appeal within the aforesaid period of three months, allow it to be presented within a further period of three months.

(2) The Appellate Officer may after giving an opportunity to the appellant to be heard if he so desires, and after making such enquiry as may be necessary, pass such order as he thinks fit, confirm-

ing, modifying or annulling the decision or order appealed against :

Provided that no order enhancing any penalty shall be passed by the Appellate Officer:

Provided further that where the Appellate Officer is of the opinion that the tax has not been paid or has not been paid in full, no order directing the payment of such tax shall be passed unless the appellant is given notice within the time limit specified in sub-rule (1) to show cause against the proposed order.

(3) The Appellate Officer shall, after finally deciding an appeal, send a copy of his decision to the persons concerned as well as the Adjudicating Officer from whose order the appeal was preferred, for execution in accordance with rule 11.

11. Recovery of sums due to Government.—Where any tax demanded from any person or any penalty payable by any person under Chapter V of the Act has been finally determined but is not paid, the Adjudicating Officer may prepare a certificate signed by him specifying the amount due and send it to the Collector of the District in which the said person owns property or ordinarily resides or carries on business and the Collector, on receipt of such certificate, shall proceed to recover from the said person the amount specified thereunder as if it were an arrear of land revenue.

12. Power to collect particulars and information.—Every Officer of the Exchange Control Department of the Reserve Bank authorised in this behalf by a special or general order of Appellate or Adjudicating Officer shall, for the purposes of ascertaining whether or not the requirements of the Act or these rules been complied with, at any reasonable time, have access to any premises of an authorised dealer or money changer and have powers to require any person in charge thereof to produce before him for his verification any books of accounts, returns or other documents and to furnish to him such other information and particulars as he may reasonably require for the purpose of ascertaining whether the requirements of the Act or these rules have been complied with.

[F. No. 1/10/EC/87]
J.L. BAJAJ, Jt. Secy.

Form I
(See rule 3)
(In duplicate)
CERTIFICATE OF TAX

1. Full Name and address of the traveller
2. Passport No.
3. The country proposed to visit
4. Amount of foreign exchange released
5. Rate of exchange
6. Rupee equivalent of foreign exchange released.
7. Proposed Date of visit
8. Amount of tax paid

Place :
Date :

Signature of Authorised
Dealer/Money Changer
Seal/Stamp

FORM II

(See Rule 7)

QUARTERLY RETURN TO BE FILED IN TERMS OF RULE 7 OF FOREIGN EXCHANGE CONSERVATION
(TRAVEL) TAX RULES, 1987Name & address of authorised
dealer/money changer :Quarterly return for the period
ended

Date of transaction	Name & address of the traveller	Rupee equi- valent of foreign ex- change released	Amount of tax collected	Particulars of payment into Government account			Amount if any refunded under Rule 5 (date of refund)
				Name of Bank/ Treasury	Chalan No. & date	Amount paid	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)			(6)
Total				Total			

Signature of Authorised Dealer/Money Changer

Note No. 1. If there are no transactions during a quarter to which the return relates to, a NIL return should be submitted.

2. The returns should be submitted to the Officer-in-Charge of the Regional Office of the Reserve Bank within whose jurisdiction the office of the authorised dealer or money changer is situated.

